

07/08/24 पञ्जाबलि प्रान्त हुई। प्रकण
मे किंग तारीख पची पर बख
सुन गई थी। चारीगन ने काउ चन्करी
द्वारा 88, 89, 188 राज. कारतकारी
कोफिशियम इन आशय का प्रान्त किया
है कि चारीगन द्वारा प्रतिवादी को 1
एक जमि स. 2 लगा. 5 के पिता/पति
के साथ आरानी का तबादला किया
गया था। राजव किंग ने चारीगन की
आरानी का नामा प्रतिवादीगन से, 2 व
व 2 लगा. 5 के पिता/पति के पक्ष में
नामा. से 1529 से दर्ज कर दिया
परन्तु तबादले से उनके पक्ष में नहीं
किया।

तारीख
 हुकम

की गई। इस प्रकार नामा. संबंधी
 कार्यवाही अधुनी की गई इतः तबदले
 के अनुसार वादीगण के पक्ष में क्षात्री
 क्षात्री का नामा. / खातेदारी घोषित की
 जावे तथा हाल का. ख. न. 848 शक
 0.33 है. में बायीया स. 1 का $\frac{1}{11}$ हिस्सा
 व बायीया स. 2 का $\frac{1}{11}$ हिस्सा व बायी
 स. 3 से $\frac{9}{22}$ हिस्सा व बायी स. 4 को
 $\frac{9}{22}$ हिस्से का फाहतफाट खातेदार घोषित
 किया जावे तथा प्रतिवादी स. 1 अगवान
 सिंह व प्रतिवादी स. 2 ल. 5 व इनके
 पिता/पति लीला राम का नाम हजल मिया
 जार्ने का आदेश फरमाये जावे।

प्रतिवादीगण स. 1 लगा. 5 ने
 इकबाल जवाब दत्ता पेश कर विवेदन
 किया कि वादीगण इत वाद में चाही
 गई बीलीफ के अनुसार डिप्टी फरमा
 दिया जावे तो हम प्रतिवादीगण को कोई
 ऐतराज नहीं होगा।

पगावलि में बहस वाली सुनी गई
 फिममे वाली फाटिका ने वाद के
 फरमों का दोहराव किया।

पगावलि का इवलेकन किया गया
 इमजे यह जाहिर होना है वादीगण तबदला
 के दौरान द्वितीय पक्षकार से तथा प्रतिवादी
 स. 1 व 2 लगा. 5 के पिता/पति प्रथम

पक्षकार के रूप में कि तथा इनके द्वारा
 खिपनी खारानी का तबादल पंजीबद्ध दातावेज
 के माध्यम से किया गया था। द्वितीय पक्ष
 पक्षकार (तबादले के) जो कि इमु वाप में
 परिवारी है के पक्ष में तबादले की
 खारानी का नामा सं० 1529 दर्ज व स्वीकृत
 ले गया था परन्तु द्वितीय पक्षकार जो
 इम वाद में वारी है के पक्ष में
 नामा की कार्यवाही नहीं हुई, जो कि
 नियमावली की जानी थी। तबादले में
 इनकी खारानी व० न० के नये द्वारा
 खसरा नम्बरान का प्रम ले चुके हैं किन्तु
 खसरा टी वाप संश्लिप्त किया गया है।
 वारी का वाद दखित व न्यायसंगत
 होने से स्वीकार किया जाता है तथा
 उक्त पक्षकार से निर्णय किया जाता है।

शोध

दाल राजच रिकार्ड जमखन्दी चौक गाम
 राजवाड़ा, तहसील मुण्डवार में दर्ज
 खारानी व० न० 848 रकबा 0.33 है।
 मुताबिक पंजीबद्ध तबादला दातावेज
 वारीया सं० 1 का 1/11 हिस्सा, वारीया
 सं० 2 का हिस्सा 1/11, व वारीया सं० 3

[Handwritten signature]

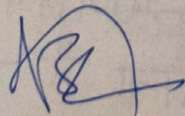
इमय.

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

जो इस हुकम में

को 9/22 हिस्सा, व वाली स.4 को
 9/22 हिस्से का खतेदार कारतकार
 घोषित किया जाता है तथा शतव
 हिस्से में इसी के अनुसार बंफन किया
 जावे तथा शतव हिस्से में हाल में
 छतिवारी स.1 मगवानकिहं व छतिवारी
 स.2 लगा. 5 के व उनके पिता/पति
 लीलराम का नाम हजम किये जावे
 के जोर से दिये जाते हु तदनुसार फर्क
 डिही जावे।
 यह निर्णय / जोर से मेटे काटा
 लिखा जाकर काप दिनांक 07/8/24
 को पुले न्यायालय में खुलासा
 गया। पत्रावलि नम्बर 6 कम हो
 बाद तामील - तफतील दाखिल फरम
 हो।



07/8/24
 (सिस्टम प्रतति) R.A.S.
 पत्रावलि कारतकार

इपवड कारतकारी गुणधर